B A part - II Sub (1) Date - 28.04.2020

खोता चिड़ै (व्याख्या)

प्र०: सिरीलाल केँ आब मोन नहि छैक जे कोना डोल पानि डुबि लेने हेतैक आ ओ कोना ~~डोल पानि डु~~ खींची लेने हेतैक :— ....।

उ०: प्रस्तुत गद्यांश प्रो० भाग्यानन्द मिश्र रचित खोता आ चिड़ै उपन्यास सँ लेल गेल अछि। एहिमे कथा नायक सिरीलाल आ नायिका दुखनीक रागात्मक सम्बन्धकेँ देखाओल गेल अछि।

उपर्युक्त अंश इनार परक अछि, जाहि सिरीलाल अपन बाप केँ पानि पिएबाक हेतु इनार सँ पानि निकालि रहल अछि। एहिठाम हुनक डोल डिब्बार भऽ गेल अछि। पानि निकालऽ मे जोरी कमे हेतै पड़ि जाइत अछि। ओकरा उपाय लगबैत अछि सिरीलाल। ओ दुखनी सँ कनीटा आँचर देबाक लेल कहैत अछि, जकरा जोड़ि कऽ पानि इनार सँ निकालल जा सकय। दुखनी मात्र कनीटा आँचर देबा लेल तैयार भेल अछि आ ओ सिरीलाल केँ आँचर देबा लेल तैयार भेल अछि। सिरीलाल केँ दुखनीक हाथमे पकड़ा दैत अछि। सिरीलाल केँ दुखनीक आँचर छूबि कऽ गुदगुदी भेलैक से वैह बुझैत अछि।

Scanned with CamScanner

मुदा मैया डोल पानि धरि नहि पहुँचलीह। ओ डोलकेँ पानि डुबबाक लेल आयौ आँचर बीच लेलकै, ताहि सँ दुखनीक देह उघार भऽ गेलै। ओ लुच धऽ कमहि बेसि गेल। सिरीलाल ओकर सेटल पातर नमहुरिया देह गसल - गसल बाँहि आ नामुनिया के। ओ फुलफुल शरीर देखि कऽ रोमांचित भऽ गेल छल।

तखने ई उचित छिलै। सिरीलाल ई नहि बुझि सकल जे डोल मे पानि कतना भरि गेलै। ओ तँ डोल के देखब छोड़ि दुखनीक देह देखऽ लागल छल। तखने अनजान लोकक आहट सँ दुनू सिहरि गेल छल।

रानी मिश्रा
मैथिली विभाग
R.N college
pandaul . Madhub